UJVN LIMITED
यूजेवीएन लिमिटेड

Generating for Generations

जल निधि

अंक-14 अगस्त 2017

Vaan Village, Chamoli

राधिका झा
सचिव (ऊर्जा) एवं
अध्यक्ष, यूजेवीएन लिमिटेड

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड सचिवालय
देहरादून।
दिनांक, 11 अगस्त, 2017

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि यूजेवीएन लिमिटेड, देहरादून द्वारा दिनांक 15 अगस्त, 2017 को स्वतन्त्रता दिवस के शुभ अवसर पर ''जल निधि'' का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें विभागीय प्रगति, गतिविधियों, उपलब्धियों, तकनीकी, गैर तकनीकी, सामयिक लेखों, सूचनाओं आदि को संकलित कर प्रकाशित किया जा रहा है।

यूजेवीएन लिमिटेड विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में निरन्तर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विद्युत मांग के सापेक्ष विद्युत उत्पादन को बढ़ाये जाने के लिए निगम सतत् प्रयासरत है, जिसके क्रम में विभिन्न परियोजनाओं के नवीनीकरण का कार्य प्रगति पर है साथ ही नयी परियोजनाओं के क्षेत्र में व्यासी परियोजना (120MW) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। लखवाड़ परियोजना (300MW) के शीघ्र निर्माण के लिए निगम एवं शासन स्तर पर हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। महात्वाकांक्षी किशाऊ परियोजना हेतु शासन स्तर से भी विभिन्न चरणों में प्रगति हेतु पहल की जा रही है। उम्मीद है हिमाचल प्रदेश की भागीदारी के साथ इस परियोजना का निर्माण भी शीघ्र प्रारम्भ हो जायेगा।

समय–समय पर शासन स्तर से विभिन्न संगठनों एवं प्रबन्धन के साथ बैठकें आयोजित कर निर्णय लिए जा रहे हैं ताकि कार्मिकों की समस्याओं का शीघ्र निस्तारण हो सके। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के दृष्टिगत यह आवश्यक है कि हम अपने कार्यों को पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ सम्पादित कर निगम एवं राज्य के विकास में अपना योगदान प्रस्तुत करें।

यूजेवीएन लिमिटेड परिवार को ''स्वतंत्रता दिवस'' ''जल निधि'' के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई एवं आत्मीय शुभकामनायें।

राधिका झा

प्रबन्ध निदेशक की कलम से

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

यूजेवीएन लि0 के पथरी विद्युत गृह द्वारा जुलाई 2017 माह में 12.388 मि0यू0 का विद्युत उत्पादन किया गया जो कि निगम की स्थापना से अब तक का जुलाई माह का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है तथा जून माह में 13.191 मि0यू0 का विद्युत उत्पादन किया गया है जो वर्ष 1969 से अब तक का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है।

मौहम्मदपुर विद्युत गृह द्वारा जुलाई 2017 तथा जून 2017 माह में क्रमशः 4.596 मि0यू0 एवं 5.223 मि0यू0 का विद्युत उत्पादन किया गया जो कि निगम की स्थापना से अब तक का जुलाई एवं जून माह का सर्वाधिक विद्युत उत्पादन है।

निगम द्वारा जुलाई, 2017 तक व्यासी परियोजना का लगभग 64 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। कंक्रीट बॉध निर्माण हेतु कुल 3,20,000 घनमीटर खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। बॉध के अतिप्रवाह एवं गैर अतिप्रवाह ब्लॉक्स में विभिन्न स्तर पर कंक्रीट का कार्य चल रहा है। हैड रेस टनल के अन्तर्गत लगभग 2000 मीटर लम्बाई के कंक्रीट लाईनिंग का कार्य हो चुका है। विद्युत गृह निर्माण हेतु राफ्ट कंक्रीटिंग का कार्य चल रहा है। सर्ज शाफ्ट का खुदाई एवं संबल कार्य पूर्ण हो चुका है। सर्ज शाफट एवं विद्युत गृह के मध्य 152 मी0 ऊँचे पर्वतीय ढलान का स्थिरीकरण पूर्ण किया जा चुका है।

यूजेवीएन लिमिटेड ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाया है तथा निगम द्वारा ढकरानी तथा खोदरी में 26.464 MW-AC की सोलर परियोजना को रिकार्ड समय में क्रियान्यवित किया जा चुका है जिनसे विद्युत उत्पादन प्रारम्भ हो चुका है

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निगम द्वारा प्राप्त की गयी इन उपलब्धियों के लिए समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी के कठिन परिश्रम एवं सहयोग से भविष्य में भी निगम और नई ऊचाईयों को छूयेगा।

एस0एन0 वर्मा
प्रबन्ध निदेशक

संदेश

यूजेवीएन लिमिटेड में कार्यरत समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों एवं उनके परिवारों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें।

विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में यूजेवीएन लिमिटेड निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पथरी जल विद्युत परियोजना द्वारा माह जुलाई–2017 में 12.388 मि0यू0 विद्युत उत्पादन कर पूर्व में (जुलाई 2015) उत्पादित विद्युत से अधिक विद्युत उत्पादन किया गया है एवं मोहम्मदपुर जल विद्युत परियोजना द्वारा 4.596 मि0यू0 विद्युत का उत्पादन कर निगम स्थापना से अब तक का अधिकतम विद्युत उत्पादन किया गया है जिसके लिए परियोजनाओं पर कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

विभिन्न कर्मचारी संगठनों एवं एसोसिएशनों के साथ वार्तालाप द्वारा निगमीय कार्मिकों से सम्बन्धित अधिकांश समस्याओं का समाधान किया गया है, शेष विषयों पर वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने के सतत् प्रयास मानव संसाधन विभाग द्वारा किये जा रहे हैं। सहायक अभियन्ता (प्रशिक्षु) एवं अवर अभियन्ता (प्रशिक्षु) की नियुक्ति के उपरान्त पी0एम0आई0–एनटीपीसी एवं आई0आई0टी, रूड़की के सौजन्य से गहन प्रशिक्षण करवाया गया जिससे उनके निरन्तर व्यक्तित्व विकास, तकनीकी कौशल संवर्धन एवं निगम के प्रति समर्पण में वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को निरन्तर उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करने का बार–बार आह्वाहन किया जा रहा है। इस क्रम में निगम द्वारा भी Performance Management System को performance से जोड़कर कार्य निष्पादन एवं गुणवत्ता का विकास करने की प्रक्रिया लागू की गयी है ताकि अधिकारियों की performance का आंकलन कार्य के वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर किया जा सके एवं निगम द्वारा स्थापित किये गये लक्ष्यों को यथासमय प्राप्त किया जा सके। ये प्रयास आगामी समय में निगम की उत्पादकता एवं परियोजनाओं के त्वरित निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

जल निधि के सम्पादक मण्डल द्वारा विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक विषयों के संकलन हेतु मैं सम्पादक मण्डल को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ एवं आशा करता हूँ कि इसके अगले अंक हेतु निगम में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवार के सदस्य भी विभिन्न रोचक एवं ज्ञानवर्धक विषयों पर आधारित लेख प्रेषित कर पत्रिका के सफल प्रकाशन में सहयोग प्रदान करेंगे।

डा0 अविनाश चन्द्र जोशी
निदेशक (मा0सं0)

यूजेवीएन लिमिटेड से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियां

व्यासी परियोजना

- जुलाई, 2017 तक परियोजना का लगभग 64% निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।
- कंक्रीट बाँध निर्माण हेतु कुल 3,20,000 घन मीटर खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा बाँध के अतिप्रवाह एवं गैर अति प्रवाह ब्लॉक्स में विभिन्न स्तर पर कंक्रीट का कार्य चल रहा है। हैडरेस टनल के अन्तर्गत लगभग 2000 मीटर लम्बाई के कंक्रीट लाईनिंग का कार्य हो चुका है। विद्युत गृह निर्माण हेतु राफ्ट कंक्रीटिंग का कार्य चल रहा है।
- सर्ज शाफ्ट का खुदाई एवं संबल कार्य पूर्ण हो चुका है। सर्ज शाफ्ट एवं विद्युत गृह के मध्य 152 मी0 ऊँचे पर्वतीय ढलान का स्थिरीकरण पूर्ण किया जा चुका है।
- निदेशक (परियोजनाऐं) श्री संदीप सिंघल द्वारा माह जनवरी एवं जुलाई, 2017 में परियोजना स्थल का निरीक्षण कर निगम एवं कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये।
- परियोजना के विभिन्न हाइड्रोमैकेनिकल संरचनाओं/संयन्त्रों की 240 ड्रॉईंगो का अनुमोदन कर जारी किया जा चुका है।
- परियोजना के निर्माण हेतु जानपदीय संरचनाओं से सम्बन्धित लगभग 370 ड्रॉईंगो का अनुमोदन कर जारी किया जा चुका है।

2. सचिव, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में ''ऊपरी यमुना नदी घाटी में परियोजनाओं के निर्माण हेतु अर्न्तराज्यीय समझौते'' विषय पर दिनांक 21.03.2017 को आयोजित बैठक में लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण सम्बन्धी निर्णय लिये गये।
3. लखवाड़ बहुउद्देशीय परियोजना की माइक्रो अर्थक्वेक अध्ययन की प्राथमिक रिपोर्ट निदेशक (एफ0ई0एस0ए0) एवं सदस्य सचिव (एन0सी0एस0डी0पी0) को दिनांक 19.06.2017 को प्रेषित करते हुये एन0सी0एस0डी0पी0 की आगामी बैठक में रिपोर्ट पर विचार करने हेतु अनुरोध किया गया।

निदेशक (परियोजनाऐं) व्यासी बांध स्थल का निरीक्षण करते हुए

व्यासी परियोजना के बाँध स्थल पर ब्लॉक संख्या 5 में टेली बेल्ट द्वारा कंक्रीट का कार्य

व्यासी परियोजना के विद्युत गृह स्थल पर कंक्रीट का कार्य

4. आई0आई0टी0 रूड़की में दिनांक 18.02.2017 एवं 19.02.2017 को बाँध सुरक्षा सम्मेलन का सफल आयोजन करवाया गया जिसमें देश विदेश के विभिन्न बांध विशेषज्ञों एवं बाँध नवीनीकरण कार्यो से सम्बन्धित एजेसियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस सम्मेलन में निदेशक (परियोजनाऐं) द्वारा"Comprehensive Rehabilitation / Repair of Maneri Dam in Dist. Uttarkashi" विषय पर तकनीकी प्रस्तुतिकरण दिया गया।

5. "किशाऊ कॉरपोरेशन लिमिटेड" के गठन सम्बन्धी सूचना दिनांक 09.02.2017 को आयुक्त (एस0पी0आर0), केन्द्रीय जल संसाधन मंत्रालय को प्रेषित कर परियोजना के विद्युत घटक के लिये 90 प्रतिशत वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव केन्द्रीय कैबिनेट के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत करने हेतु अनुरोध किया गया। मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में दिनांक 14.02.2017 को आयोजित "किशाऊ कॉरपोरेशन लिमिटेड" के निदेशक मण्डल की प्रथम बैठक आयोजित की गयी।

6. इन्टरनेशनल हाइड्रो पावर एसोशिएशन द्वारा अदिस अबाबा, इथोपिया में दिनांक 09.05.2017 से 11.05.2017 तक आयोजित विश्व हाइड्रो पावर कांग्रेस में निदेशक (परियोजनाऐं) ने प्रमुख सचिव (ऊर्जा) महोदय के साथ प्रतिभागकर "Complementarity of Solar Power Project with Hydro Power Project for Energy security & Grid security" विषय पर तकनीकी पत्र प्रस्तुत किया।

7. सिरकारी भ्योल रूपसिया बगड़ परियोजना में दिनांक 29.04.2017 को सी0एस0एम0आर0एस0 के दल द्वारा रॉक लैब में परीक्षण हेतु परियोजना स्थल से सेम्पल जमा किये गये।

8. सेला उर्थिंग परियोजना में दिनांक 30.04.2017 को परियोजना के अनुसंधान कार्यो हेतु गेज एवं डिस्चार्ज स्थल की स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया।

9. डी0आर0आई0पी0 कार्यो की तकनीकी समिति की 17वीं बैठक में निगम के द्वारा आसन बैराज पर किये गये कार्यो हेतु केन्द्रीय जल आयोग एवं विश्व बैंक द्वारा दिनांक 30.05.2017 को उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया गया।

10. दिनांक 30.03.2017 को "स्वच्छता पखवाडा दिवस" के अन्तर्गत चीला परियोजना में भागीदार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

व्यासी परियोजना के सर्ज शाफ्ट का कार्य

आई0आई0टी0 रूड़की में आयोजित बाँध सुरक्षा सम्मेलन में निदेशक (परियोजनाऐं) प्रस्तुतिकरण देते हुए

11. दिनांक 06.02.2017 से 10.08.2017 के मध्य माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में वन एवं पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जल विद्युत परियोजनाओं पर बनायी गयी विशेषज्ञ समिति (Expert Body) की दिल्ली में हुई छः बैठकों में प्रतिभाग कर उत्तराखण्ड राज्य का मत प्रस्तुत किया गया।

दुनाव लघु जल विद्युत परियोजना (2x750 कि0वा0) का शुभारम्भ

दुनाव लघु जल विद्युत परियोजना (2x750 कि0वा0) जिला पौड़ी, बीरोखाल विकास खण्ड में पूर्वीनयार नदी पर स्थित है। दुनाव गॉव लैंसडाऊन से लगभग 80 कि0मी0 दूर लैंसडाउन–बीरोखाल मार्ग पर स्थित है। परियोजना की प्रथम डी0पी0आर0 सन् 2006 में तैयार की गयी थी। उस समय परियोजना की कुल लागत ₹18.94 करोड़ थी। परियोजना के कार्य सन् 2007 में प्रारम्भ किये गये थे लेकिन अत्यन्त दुर्गम क्षेत्र में होने के कारण परियोजना के कार्य सही ढंग से निष्पादित नहीं हो सकें। पुनः निगम के 56वी बोर्ड बैठक में परियोजना की पुनरीक्षित डी0पी0आर0 रूपये ₹31.02 करोड (IDC सहित) के साथ तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) भारत सरकार के अनुदान के साथ स्वीकृत की गयी।

परियोजना के मुख्य बिन्दु

स्थिति	विकास खण्ड बीरोखाल, दुनाव, जिला पौडी गढ़वाल
नदी का नाम	पूर्वी नयार
क्षमता	1.50 मे0वा0
वार्षिक विद्युत उत्पादन	6.60 मिलियन यूनिट
टैरिफ	6.60 प्रति यूनिट
परियोजना की प्रारम्भिक लागत	रूपये 1894.80 लाख

परियोजना का कुल शीर्ष 50 मी0 है तथा शक्ति नहर की लम्बाई 4.5 कि0मी0 है। 2010 में परियोजना के सभी कार्य प्रारम्भ कर दिये गये थे। परियोजना के निर्माण कार्य में दुर्गम क्षेत्र होने के कारण कई प्रकार की बाधाओं का सामना करना पड़ा जिसके कारण परियोजना के कार्यों को पूर्ण करने में अनावश्यक विलम्ब हुआ। विभिन्न बाधाओं के बावजूद भी यूजेवीएन लिमिटेड के अभियन्ताओं के अथक प्रयास से यह परियोजना पूर्ण हो गयी है और दिनांक 09.07.2017 को सफलतापूर्वक सिन्क्रोनाइज करके 11के0 वी0 की ट्रांसमिशन लाइन से जोड़ दी गयी है। परियोजना शीघ्र ही प्रदेश को समर्पित कर दी जायेगी।

परियोजना का वियर स्थल

परियोजना के विद्युत गृह का आन्तरिक दृश्य

परियोजना की शक्ति नहर

परियोजना का विद्युत गृह

Employees Retired During June 2017 to July 2017

S. No	Name of Employee Shri/Smt.	Designation	Office/P.H/Unit Name	Retired on
1	S.S.H. Arfi	AAO	DGM (E&M), Chilla	30.06.2017
2	R S Kandari	AE	EE (Generation), MB-I, Tiloth	30.06.2017
3	Om Prakash	Driver	EE (Maintenance), Kalagarh	30.06.2017
4	Rakesh Kumar	JE	EE (Test), Hardwar	30.06.2017
5	Dinesh Chand Tiwari	OA I	DGM (E&M), Dhakrani	30.06.2017
6	Inder Mani Belwal	OA I	DGM (CSPPO), Yamuna Bhawan, Dehradun	30.06.2017
7	Amar Singh	Shramik	EE (Project Civil Maintenance), Dakpathar	30.06.2017
8	Bharat Pal Singh Rawat	UDA	DGM (Personnel), Yamuna Bhawan, Dehradun	30.06.2017
9	Mukesh Narayan Saxena	AAO	DGM (E&M), Chilla	31.07.2017
10	R.K. Arora	AAO	DGM (Resource Mobilization & GPF Trust), Dehradun	31.07.2017
11	Basant	Asst. Teacher	EE (Maintenance & Generation), Lohiahead	31.07.2017
12	D.S. Karki	EE	EE (E&M), Dakpathar Barrage, Dakpathar	31.07.2017
13	Om Prakash	K Shramik	EE (Maintenance), Kalagarh	31.07.2017
14	Ram Samuj	K Shramik	EE (Maintenance), Chilla	31.07.2017
15	Gabar Singh	OS	GM (E&M), Design, Dehradun	31.07.2017
16	Y.N.Kothiyal	OS SG	DGM (IR), Dehradun	31.07.2017
17	Munna Ahmad	TG II (M)	EE (Generation), Chilla	31.07.2017
18	Sher Singh	TG I (Line)	EE (Maintenance), Kalagarh	31.07.2017
19	Jagdish Singh	UDA	DGM (Personnel), Dehradun	31.07.2017

Candidates Joined During June 2017

Sl. No	Name of Post	Total Joined	Joining Date
1	Junior Engineer (T) (Civil)	03	21/6/2017
2	Office Assistant III (Accounts)	01	21/6/2017

Promotions During the Period of June 2017 to July 2017

S.No.	Name of Post	No. of Employees Promoted
1	Accountant to Assistant Accounts Officer	8
2	Junior Engineer to Assistant Engineer	15
3	Office Assistant-I to Office Superintendent	1
4	Office-II to Office Assistant-I	11
5	Office Assistant-III to Office Assistant-II	6
6	Personal Assistant-II to Personal Assistant-I	5
7	Section Officer to Assistant Manager	1
8	Upper Divisional Assistant to Section Officer	1
9	Technical Assistant to Assistant Engineer (Civil)	1
10	Operator to Junior Engineer	7
11	Peon to Dafadar	9
12	Various positions in Operating Cadre at Power Houses	40
	Total	**105**

TRAINING AND EVENTS

Training on PERFORMANCE AWARENESS-IMPROVED BOTTOMLINE (15 & 16 JUNE, 2017)

A very pertinent question in today's corporate sector is regarding the linkage of enterprise performance with the employee's performance. The biggest challenge in this path of linking is to objectify and quantify the performance of all the employees. In order to achieve the same, a comprehensive and detailed training program of two days was organized at UJJWAL, Dehradun on 15th and 16th June, 2017. Various tools and techniques required for performance improvement like KPI (Key performance Indicators), Balance Score Cards etc. were explained and discussed. In order to implement the System effectively, officers in the level of General Managers, Dy. General Managers & Company Secretary attended the programme.

PRESENTATION ON NEW TRENDS IN HUMAN RESOURCE MANAGEMENT On 14 JUNE, 2017

A lively and thought provoking presentation was conducted at UJJWAL, Dehradun on "New trends in Human Resource Management" on 14th June 2017.The session was imparted by Dr. Raju Ganesh Sundar, HoD Centre for Continuing Education UPES, Dehradun, who made the whole event very interactive and knowledge enhancing. The participants were from the HR various Departments & other senior officers of the Corporation.

TRAINING PROGRAMME ON INNER ENGINEERING AND MIND BALANCE (28 - 30 JUNE, 2017)

In today's disease prone environment, our body demands a closer scrutiny of one's lifestyle for a healthy and contended well-being. Keeping this thought in view, a three days workshop on "Inner Engineering and Mind Balance" was organized at UJJWAL, Dehradun from 28th to30th June 2017. The workshop was conducted by Yoga Manav Vikas Trust, Chamba (Himachal Pradesh) and was imparted by Chief Trainer Mr. S K Dudeja. Director (HR) Dr. A C Joshi asserted that these kinds of workshops are necessary for all round development of human body.

BUILDING WORLD CLASS ORGANISATION (29 JULY, 2017)

In order to develop top level of management a one day's motivating workshop on "Building World Class Organization" was organised on 29th July, 2017 , wherein all General Managers, Dy. General Managers & Company Secretary were invited to participate. The Trainer was Shri Vijay Batra from Think Inc, New Delhi. Managing Director Shri S.N. Verma, Director (Projects) Shri Sandeep Singhal, Director (HR) Dr. A.C. Joshi & Director (Finance) Shri L.M. Verma also participated in the workshop.

TRAINING ON ROADMAP FOR QUALITY CIRCLE IMPLEMENTATION AT DHAKRANI (01 AUG. 2017)

In order to improve the workplace, generation and to reduce maintenance cost at Power houses, training on Roadmap for Quality Circle implementation was arranged on 01st August, 2017 at Dhakrani Training centre. The Trainer was Shri J.K. Kaushik , Director, Quality Circle Forum of India, Haridwar Chapter.

GST TRAINING (5th August-2017

"One nation, one Tax" the moto behind the introduction of GST is to ease up the tax structure of India and give a forward thrust to its economy. But the understanding of guidelines and procedure still remains an issue. To make its implementation hindrance free a training program on GST was organized at UJJWAL, Dehradun on 5th August, 2017 by CA Siddharth Bharadwaj. Total 55 officers from Accounts Department and Executive Engineers participated in the programme.

Workshop on Performance Management System (24-27 July 2017)

UJVN Ltd. has started objective based Performance Management System from the year 2013-14 but the system was not implemented smoothly and officers were facing difficulties to complete Annual Appraisal forms. Hence, the format for the same has been modified after consultation with the senior officers of the Corporation. In order to plan the Annual objectives for year 2017-18, 04 days workshop for the Executives in the level of Executive Engineer & above were conducted from 24th to 27th July, 2017. Total 126 Executives in 4 batches participated in the programme. The faculty for the workshop was Shri Ajay Agarwal from Rapid Learning System, Kolkata.

Photo GALLERY

Retirement of Shri Jagdish Singh Bisht, UDA (HR Department) on 31st July 2017

Officers and Staff Participating in Yoga Programme on 21st June 2017 (International Yoga Day)

Sports GALLERY

Badminton and Cricket Events at Pithoragarh

Tug of War Team and Kabaddi Winner Team at Inter Power Sports at PTCUL

Sports GALLERY

Intra Nigam Carrom Tournament at Kalagarh

Intra Nigam Badminton Tournament

Intra Nigam Football Tournament at Khatima

मुख्यालय (HQ) एवं अन्तर्निगम (Intra Nigam) स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता हेतु वार्षिक कैलेन्डर

पुरूष (समन्वयक श्री पवन राणा)

क्र0 सं0	खेलकूद प्रतियोगिता	समन्वयक	मुख्यालय (HQ) स्तर पर		अन्तर्निगम (Intra Nigam) स्तर पर	
			प्रस्तावित तिथि	स्थान	प्रस्तावित तिथि	स्थान
1.	टेबिल टेनिस	श्री सचिन डंगवाल श्री रतनेश बिष्ट	26.08.17	''उज्ज्वल'' देहरादून	27.02.18	''उज्ज्वल'' देहरादून
2.	बैडमिंटन	श्री सचिन डंगवाल श्री गौरव श्रीवास्तव	27.09.17	अधिकारी क्लब यमुना कालोनी	22.03.18	अधिकारी क्लब यमुना कालोनी
3.	क्रिकेट	श्री महेन्द्र सिंह रावत	07.10.17	फुटबॉल मैदान यमुना कालोनी	27.11.17 28.11.17	हरिद्वार
4.	हॉकी	श्री भरत शर्मा	.	.	26.10.17	फुटबॉल मैदान, यमुना कालोनी
5.	शतरंज	श्री एस0सी0 ममगाई	01.12.17	गंगा भवन, यमुना कालोनी	04.12.17	चिन्यालीसौड
6.	कैरम	श्री एस0सी0 ममगाई	13.12.17	गंगा भवन, यमुना कालोनी	16.12.17	ढकरानी
7.	बालीबॉल	श्री विजयन्त नायर	05.01.18	गंगा भवन, यमुना कालोनी	10.01.18	व्यासी (डैम साइट जुड्डो)
8.	फुटबॉल	श्री विजयन्त नायर	23.01.18	फुटबॉल मैदान यमुना कालोनी	03.02.18	खेल मैदान लोहियाहैड,खटीमा
9.	एथलेटिक्स	श्री अमित रंजन	.	.	16.02.18	खेल मैदान, डाकपत्थर

पुरूष बैडमिन्टन प्रतियोगिता लीग आधार पर चारो टीमों (यमुना/गंगा/मुख्यालय/भागीरथी) के मध्य खेला जाना प्रस्तावित है जिसकी तिथियाँ टीमों द्वारा समन्वयकों से विचार कर निर्धारित की जायेंगी।

महिला (समन्वयक श्रीमती शुचि राय)

क्र0सं0	खेलकूद प्रतियोगिता	समन्वयक	अन्तर्निगम (Intra Nigam) स्तर पर	
			प्रस्तावित तिथि	स्थान
1.	टेबल टेनिस	श्रीमती बबीता कोहली		'उज्ज्वल' देहरादून
	एकल एवं युगल		25.08.17	
	मिश्रित युगल		27.02.18	
2.	कैरम	श्रीमती रेखा डंगवाल	26.09.17	गंगा भवन यमुना कालोनी देहरादून
3.	बैडमिंटन	श्रीमती अर्चना बहुगुणा		अधिकारी क्लब यमुना कालोनी देहरादून
	एकल एवं युगल		10.10.17	
	मिश्रित युगल		11.10.17	
4.	शतरंज	श्रीमती नैना शर्मा	22.11.17	गंगा भवन यमुना कालोनी देहरादून
5.	एथलेटिक्स	श्रीमती शुचि राय	16.02.18	खेल मैदान, डाकपत्थर

मिश्रित युगल प्रतियोगिता के लिये कम से कम 4 टीमों का प्रतिभाग करना आवश्यक है।

पंकज कुलश्रेष्ठ
महाप्रबन्धक एवं नोडल अधिकारी

PERFORMANCE REVIEW OF MOHAMMADPUR POWER STATION (3X3.1 MW) AFTER IMPLEMENTATION OF RENOVATION MODERNIZATION AND UPGRADATION (RMU)

RAJESH KUMAR
Executive Engineer (Control Room)

Various bodies and people / Engineers at various platforms have raised the issue during discussions/ meetings that Mohammadpur Power Station (3x3.1MW) and Pathri (3x6.8 MW) Power Station are not achieving generation as per their envisaged generation in DPR. It was envisaged in the DPR for RMU that annual generation of Mohammadpur Power Station after completion of RMU work should be around 65 MU. However, the present annual average generation from the Power Station is of the order of 53-55 MU. Hence the obvious inference/perception of the stakeholders is that the RMU has not been completed as per plan.

Let us review the performance of Mohammadpur Power Station. The performance review of Mohammadpur Power Station shall help in assessing

1. Whether the RMU of Mohammadpur Hydro Power Stations is as envisaged and
2. Utility should take RMU projects for its old plant?

Mohammadpur Power Station (3x3.1 MW) was commissioned in 1952 and is situated about 20 km downstream along Upper Ganga Canal from Roorkee. After such a long service, to improve the operational efficiency of the plant, the decision of Renovation, Modernisation and Upgradation (RMU) was taken in 2008-09 and implementation work started from 2010-11. RMU work of the Power Station was completed in 2014-15. After RMU, annual average generation from the Power Station is of the order of 53-55 MU against the envisaged generation of 65 MU as per DPR for RMU.

Instead of directly blaming the RMU, let us first discuss other possible causes of lesser generation after RMU. These can be summarised as follows:

i. Availability of machines
ii. Study of discharge & power potential before & After RMU
iii. Effect of choking at intake and effectiveness of trash cleaning machine
iv. Efficiency of turbines & generators
v. Operational and Management issue
vi. Other unforeseen constraints

i. Availability of machines:

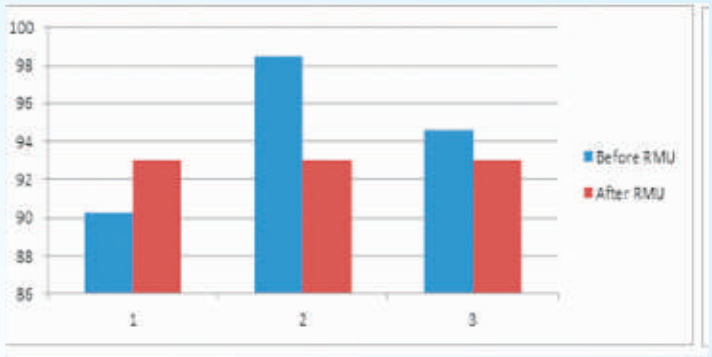

Inspite of higher machine availability before RMU (2007-08 to 2009-10), the generation from the Power Station was of the order of 40.53 MU.

ii. Study of discharge (Cumecs)& power potential before & After RMU :

a) The envisaged generation of 64.92 MU in DPR is based on 10-daily discharge data of calendar year 2007-2009 and the head was taken as 17 feet (4.7 m) based on assumption of siltation of canal as suggested by IIT Roorkee.

b) Actual discharge after RMU during 2014 to 2016 is about 27% less than average discharge available before RMU during calendar year 2007-2009. Therefore the generation after RMU should have been theoretically around 47.4 MU; however actual average generation after RMU has been 52.82 MU. This means that envisaged generation should have been calculated at the higher Head, i.e. at old rated head of 19 feet and the assumption of siltation of canal seems to be exaggerated.

c) Had the generation been calculated at 19 feet (5.4m) in DPR, the theoretical generation would have been 73.76 MU and 27% reduction in annual discharge (due to opening of

new canal at Asafnagar in June 2014) would have reduced the generation to the tune of 53.85 MU which is in line with the actual generation after RMU.

d) However, as per actual discharge and at 19 ft. head the generation should have been 57.79 MU.

e) Actual average generation of last three years 20014-16 is 52.97 MU. So the difference is 57.79-52.97 = 4.82 MU

f) So, there are two things to investigate :

a. Reasons of loss of 4.82 MU and

b. Reasons of reduction in available discharge after RMU.

(A) Reasons of loss of generation of 4.82 MU:

FY	Loss (in MU) Category wise at Mohd.pur Power Station				
	Breakdown of Equipment	Flushing & Choking	System Condition	Flood Passing & Any Other Reason	Total
2014-15	1.85	0.76	0.81	0.00	3.42
2015-16	0.54	0.80	0.58	0.00	1.93
2016-17	0.62	0.65	1.07	0.00	2.34
Avg. loss	1.00	0.74	0.82	0.00	2.56

Avg. loss due to controllable factors: Breakdown of equipment = 1.0 MU

Avg. loss due to uncontrollable factors: Flushing & Choking /System conditions = 1.56 MU

Inferences:

- Out of desired 4.82 MU, 1.56 MU is beyond control of UJVNL and 1.0 MU is controllable which can be minimized by best operational practices but there is still a gap of 2.26 MU [4.82-(1.56+1.0)] which is not traceable.
- On further investigation it has been found that in DPR 20 days closure of canal has been considered during October (between Dusshera and Diwali), However now it is on an average 28 days closure during last three years:

FY	Closure period (days)
2014-15	27
2015-16	31
2016-17	26
Average	28

- 8 days accounts for 1.496 MU (8*0.187).
- **Still, there is about 0.764 MU which needs to be traced out. However it is only 1.32% of total possible generation of 57.79 MU.**

(B) Reasons of less discharge after RMU:

During June 2014, SE (Ganga Operation), Meerut allotted 650 cusecs water for irrigation purpose from upstream of Mohammadpur Power Station at Asafnagar. Due to this, discharge pattern got distributed and reduced in the canal for Mohammadpur Power Station after completion of RMU which resulted in lower generation than that envisaged in DPR.

iii. **Effect of choking at intake and effectiveness of trash rack cleaning machine:** In order to minimize the effect of trash at intake a trash rack cleaning machine was installed during RMU. Let's have a look at its effectiveness:

After RMU

FY	Loss (in MU) Category wise at Mohd.pur Power Station				
	Breakdown of Equipment	Flushing & Choking	System Condition	Flood Passing & Any Other Reason	Total
2014-15	1.85	0.76	0.81	0.00	3.42
2015-16	0.54	0.80	0.58	0.00	1.93
2016-17	0.62	0.65	1.07	0.00	2.34
Avg. loss	1.00	0.74	0.82	0.00	2.56

Before RMU

FY	Loss (in MU) Category wise at Mohd.pur Power Station				
	Breakdown of Equipment	Flushing & Choking	System Condition	Flood Passing & Any Other Reason	Total
2007-08	0.25	1.30	1.18	0.25	2.98
2008-09	0.48	0.21	0.95	0.05	1.69
2009-10	0.16	0.48	1.03	0.01	1.69
Avg. loss	0.30	0.66	1.05	0.10	2.12

Inference:

From the above tables it is clear that the loss on the head of flushing & choking has increased after RMU inspite of less discharge than that before RMU. So question may arise on the performance of the trash rack cleaning machine. However, on discussion with the site personnel, it is an obvious view that the TRCM is very effective and helpful in avoiding generation loss. The numbers of flushings have reduced at intake.Before RMU, all the losses were fed into the system manually and now through automated enteries, the chances of error/manipulations are very less.

iv. Efficiency of turbines/generators :

As per test reports for efficiency measurement of Unit -1 of Mohammadpur Power Station done by AHEC, IIT Roorkee, the effective unit efficiency is 87.65% which is more than average unit efficiency of 87.57% as guaranteed in contract agreement.

v. **Operational and Management issue:** As per discussion with the site personnel & authority there is no operational

and management issue which has significant impact on generation.

vi. Other constraints:

- Effect of siltation cannot be ignored completely. Tail race canal has got high siltation due to which effective head is less than what is desired; i.e 19 ft. It appears that the effective head is more than 17 ft. but less than 19 ft. therefore, it needs to be cleaned to get the effective rated head.
- There is loss of generation on system condition (grid disturbances) which may be reduced by proper attention of PTCUL.

Conclusions:

So overall RMU in terms of generation of Mohammadpur Power Station has been in line what was envisaged in DPR except gap of 0.764 MU for which further investigation is required.

Achievements

Mr. ADITYA BAURAI S/O **Mr. Kishor Kumar,** Assistant Engineer (Civil) SBR Project, Munsiyari, Pithoragarh has been selected in Mechanical Engineering (ME) programme at IIIT –Jabalpur, **Madhya Pradesh through JEE MAIN-2017.**

Achievements

Ms SHRISHTI NAUTIYAL D/O Smt. **Kamlesh Nautiyal,** Steno II O/O DGM (MM&C) obtained 10 CGPA(100%) in **class X in CBSE Board 2017** (Doon International School, Dehradun)

KRISHNA, KAUTILYA, MACHIAVELLI AND GEORGE R R MARTIN

VAIBHAV BAJPAI
Assistant Engineer (T)

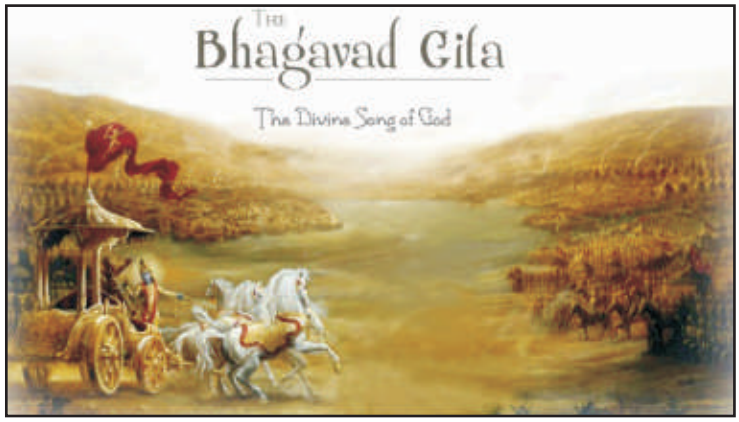

Wars and battles have shaped the world that we live in today. With the fall of Constantinople in 1453 a new quest for knowledge and resources began which still has not been able to suffice the greed of men but definitely enhanced its knowledge, not only about the world but also about him. The flaws of human character were better understood and the subjects of its specialized studies emerged. Some of the works that existed beforehand are gaining attention and how they all have supplemented to the present study of human character and politics of nations is a subject to ponder upon. These works, though written across different ages and by different writers point to some common elements of success of men and nations.

Arjun on the eve of Mahabharata stood in the battlefield grieved by the horrors of the terror that the war ahead was about to unleash. His dilemma between complete annihilation of his clan and eternal glory was completely in resonance with the uncertainty that we have before taking any bold step. The brief passage of dilemma in the mind of *Arjun* was followed by a long narration of by his charioteer *Krishna* who asked *Arjun* to put aside all his fears and fight *Dharamyuddha*, which was compiled in the form of *Bhagvad Gita*- a text that has continued to inspire millions through generations.

A text that ordered *Arjun* to forgo passions as *dharma* occupies the topmost priority. Krishna asks him to dispel all his

fears of wars, for if you live, the world and all the resources belong to you and if you die, the kingdom of the heaven awaits you. He asks him not to be afraid of killing and executing as life is eternal and soul persists. *Moksha or the final fulfillment of your life* can only be attained by the completion of your duty i.e. your Dharma - a statement strong enough to make *Arjun* proceed ahead in the war and play a crucial role in the victory of *Pandavas*. Gita persuades you to be remorseless, fearless and objectively remove each and every obstacle that comes in between you and your destination. To follow such a dictat is not plain easy and requires great heart and detached mind. And a close look into the history clearly brings to the surface some prominent figures who have echoed the same principles but in different ages.

Come to the 3rd century BC, *Dhana Nanda* slays Chanak, a Brahmin minister in his court and his little boy vows to avenge his father's death by killing Dhana Nanda. The little boy came to be known as Chanakya later and helped Chandragupta Maurya to ascend to the throne of Patliputra. The book written by him, *Arthashastra* still guides policy makers to install institutions and frameworks that help in the governance of the nation. The concept of nationhood, proxy wars and various other present forms of global principles governing world order find a reference in his writings. He mentions states constantly in conflict with each where one nation's survival depended only on the subversion of the others. He, before the European nations mentioned about the balance of power required for the existence of a nation (which was a fragile unit, he believed) for which a king should be ready for ruthless and remorseless actions. A complete disassociation from emotions is required from the king for the maintenance of a nation and to keep his enemies at bay. He anticipated European thinkers of later centuries and is still considered the father of modern politics.

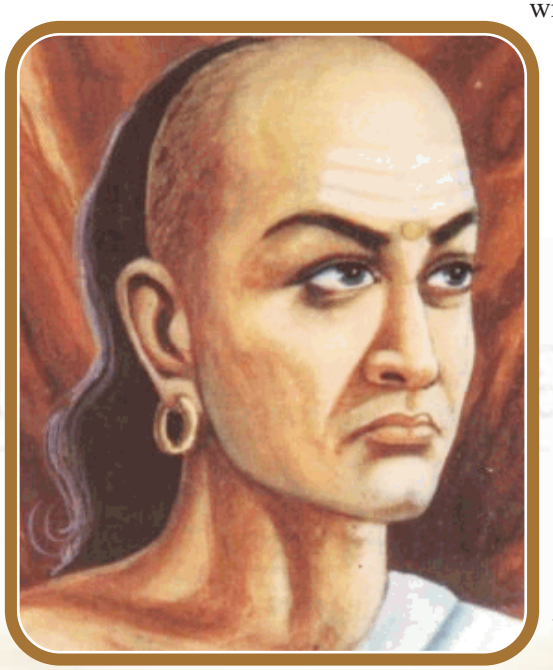

But even after such an incredible theory of political administration existing in the world there came another thinker who proposed the modern politics in an even colder and dispassionate form. Italian thinker, Niccolo Machiavelli (3 May 1469) penned his book '*The Prince*' in which he jotted down the principle and guidelines which a young prince should include in his kingship to make his reign successful. He prioritized the attainment of power and fear over love to be used as a guiding principle by a king for his effective reign. The principles seemed to be so radical that the readers of his book often blamed him for being unscrupulous and a preacher of evil thoughts. One of his many quotes which gives an idea about his revolutionary thoughts reads as follows

"...if an injury has to be done to a man it should be so severe that his vengeance should not be feared"

But that is an old habit of man to judge morals from his own perspective and call them unethical. Even those souls had not ever wondered that centuries later the very same principles will take a modern rendition in the form of a book and a TV series that will leave the world enchanted and enthralled. George R R Martin's book series converted into a TV drama '*Game Of Thrones'* has an undertone which seems to be directly inspired from Machiavellian (a word often used in the negative sense) polity. The gory drama series is full of treachery, revenge and dishonorable conduct of characters that are in a quest of the ultimate power, the *Ironthrone*. Martin's mythical land, Westeros with its seven kingdoms is under persistent threat of wars and is ravaged by the greed of men whom Machiavelli called *fickle* and *ungrateful* repeatedly in his book.

Yet the modern society comprising of same *men* seems to enjoy the series and under lying principles of early as well as modern political thinkers who have bit by bit contributed to the present evolved form of politics. May be, in coming days the definition of politics and power game will evolve further with even more drastic thought processes shaping its characteristics and thereby influencing the world order in a harsher manner (do not read harsher in a negative sense). But as of now, the common code of conduct proposed by all the above works asks a man to be devoid of all passions and have a detached mind with constant efforts towards the achievement of his ultimate goal be it Moksha by Gita, Mauryan throne by Chanakya, a successful king by Machiavelli or the Iron throne by Martin.

पुस्तक का लोकार्पण

यात्राएं जीवन का आवश्यक अंग हैं

जो बहुत कुछ सिखाती हैं

दिनांक 5 फरवरी– दून प्रेस क्लब सभागार में लेखक एवं साहित्यकार हेमचन्द्र सकलानी, (से0नि0 अवर अभियंता) की यात्रा संस्मरण पुस्तक 'दुनिया घूमते हुए' का लोकार्पण पदमश्री श्री लीलाधर जगूड़ी, वरिष्ठ कथाकार श्री जितेन ठाकुर, जाने माने लेखक–साहित्यकार डा. नागेन्द्र ध्यानी 'अरूण' ने किया। श्रीमती ऊषा भटट ने श्री सकलानी का जीवन और साहित्यिक यात्रा का परिचय दिया। अपने लेखकीय सम्बोधन में श्री हेमचन्द्र सकलानी ने अपने यात्रानुभवों से परिचित कराते हुए बताया, यात्राएं जीवन में इसलिये आवश्यक होती हैं कि इससे बहुत कुछ देखने, सीखने और ज्ञान अर्जन करने को मिलता हैं। कहानीकार मुकेश नौटियाल ने पुस्तक की समीक्षा करते कहा–यात्रा में वर्णन की प्रधानता होती है लेकिन अच्छा लेखक इतिहास में, पर्यावरण में रूचि रखने वाला उसमें अपने देखे दृश्यों का, अनुभव और ज्ञान का उपयोग कर अपने यात्रा वृतांतों को पुस्तक के रूप में संजोकर एक महत्वपूर्ण इनसाइक्लोपीडिया में परिवर्तित करने में सफल हो जाता है और सकलानी जी ने चार यात्रा वृतांत अपने देश के लिखने के बाद ताशकंद, समरकंद, बैंकोक, पेनोमपेन्ह (कम्बोडिया की राजधानी) वियतनाम के होचिमिन शहर, लंदन, एम्स्टर्डम, ब्रूसेलस, पेरिस, ज्यूरिख (जर्मनी) के जंगफ्रो, माउन्टटिटलिस जैसे ग्लेशियरों की यात्राकर उन्हे लिपिबद्ध करने का जो प्रयास किया वह प्रशंसनीय है।

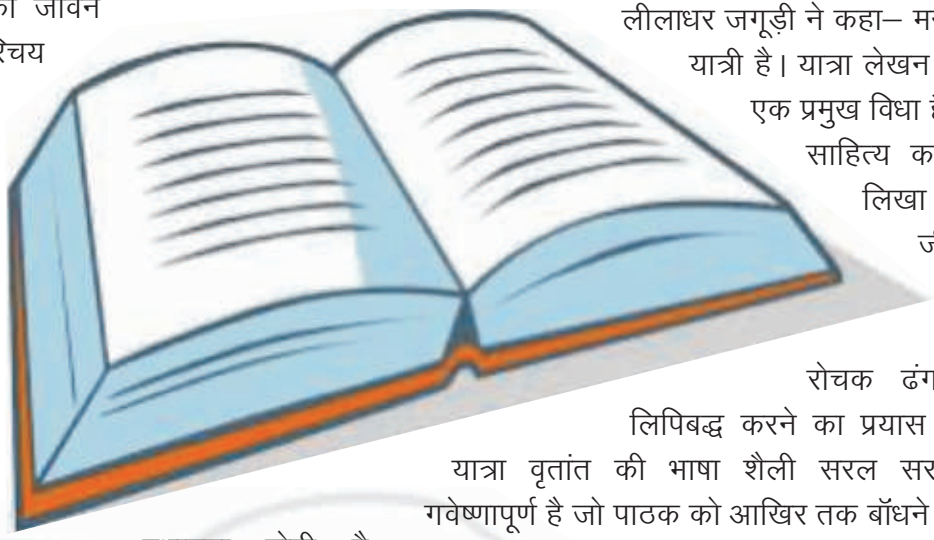

कथाकार जितेन ठाकुर ने–श्री सकलानी के लेखन की प्रशंसा करते कहा यात्रा संस्मरण घर बैठ कर नहीं लिखे जाते। इनके लिए सुख आराम को छोड़, धन व्ययकर बहुत दूर दूर जाना पड़ता है, बहुत परेशानियों से भी दोचार होना पड़ता है यही नहीं इसके बाद अध्ययन करना होता है, सत्य असत्य जुटाना पड़ता है तब जाकर कहीं यात्रा वृतांत एक धरोहर के रूप में हमारे सामने आता है। श्री सकलानी जी के इस स्तुत्य लेखन की जितनी प्रशंसा की जाये कम होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी पदमश्री लीलाधर जगूड़ी ने कहा– मनुष्य तो जन्म से ही यात्री है। यात्रा लेखन हिन्दी साहित्य की एक प्रमुख विधा है, इस पर भी यात्रा साहित्य कदाचित बहुत कम लिखा गया है। सकलानी जी ने अनेक देशों के शहरों की यात्रा में, बहुत कुछ रोचक ढंग से समेट कर लिपिबद्ध करने का प्रयास किया। इस यात्रा यात्रा वृतांत की भाषा शैली सरल सरस बोधगम्य और गवेष्णापूर्ण है जो पाठक को आखिर तक बॉधने में सफल रहती है। अनेक लोगों ने इन स्थानों को देखा नहीं होगा, उन्हें पुस्तक से गुजरते उन्हें देखने का अवसर भी मिलेगा। सकलानी जी के यात्रा लेखन से, हिंदी के पर्यटन साहित्य को समृद्ध करने में जो योगदान मिला है, वह निश्चय ही प्रशंसनीय कहा जायेगा।

लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डा.नागेन्द्र ध्यानी 'अरूण' ने सकलानी जी के सारे रचनात्मक साहित्य और पिछली चार यात्रा संस्मरणों पर प्रकाश डालते हुए कहा–सकलानी जी ने इतनी यात्राएं की कश्मीर से कन्याकुमारी और सुदूर पूर्व मणीपुर, इम्फाल, शिलौंग, उसके बाद विश्व के नौ देशों की यात्रा कर उन्हें लिपीबद्ध किया, जिसके लिए बड़े साहस, ललक, के साथ ज्ञान अर्जित करने की भावना और दृश्य देखने की निर्निमेष प्यास होनी चाहिये जो उनकी इन पुस्तकों से सिद्ध होती है। मै इसके लिए उन्हें हार्दिक बधाई देता हूँ। इस अवसर पर रानू बिष्ठ, प्रवीण भटट, उमा जोशी, रोशन धस्माना, जी.एन.कोठियाल,दिनेश बौड़ाइ आदि उपस्थित थे।

वजूद खोजती जल विद्युत ऊर्जा

भारत भूषण गैरोला,
सहायक अभियन्ता (प्र0)

किसी भी देश की प्रगति का पैमाना होता है उस देश की ऊर्जा खपत देश विकास के रास्ते पर अग्रसर है या नहीं यह सब कुछ तय करता है, उस देश का ऊर्जा उत्पादन, चूंकि सबकुछ विकास ऊर्जा पर ही निर्भर है,वह देश स्वयं पर आत्म निर्भर है या नहीं, यही वह पैमाना है जो किसी भी देश की प्रगति को तय करती है ।

भारत जैसे विकासशील देश मे जहाँ पर औद्योगीकरण इस समय काफी अधिक मात्रा में है ,पर ये औद्योगीकरण एक समन्वित तरीके से भी नही है, क्योंकि यहाँ पर ज्यादातर कारखाने दिन में ही चलते है और काफी कम चौबीसों घण्टे। आज आवश्यकता है ऐसे ऊर्जा उत्पादन के स्रोतों की जो इस देश को चौबीसों घण्टे अनवरत रूप से विद्युत ऊर्जा उपलब्ध करवा सकें, और इनके लिये सबसे बेहतर है हाइड्रोपॉवर प्लांट। जल विद्युत ऊर्जा आज के समय के अनुकूल एवं तकनीकी रूप से सबसे अच्छी है और समय के अनुसार

ऊर्जा की खपत बढ़ने पर जल विद्युत गृहों को अतिशीघ्र चलाया भी जा सकता है और घटने पर तुरन्त बन्द भी किया जा सकता है। इस प्रकार यह एक समन्वित तरीके से देश की अस्थिर ऊर्जा की मांग की पूर्ति कर सकता है। हाइड्रोपॉवर प्लांट पानी से ही चलते है और पानी का बहाव भी सबसे अधिक पहाड़ो पर ही होता है, जहाँ पर उसकी गतिज ऊर्जा का बड़ी आसानी से फायदा उठा कर प्रचुर मात्रा में बिजली बनायी जा सकती है। पहाड़ी राज्यों के लिये ऊर्जा के रूप में यह एक काफी बड़ा खजाना है। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में विभिन्न अध्ययनों द्वारा जल विद्युत ऊर्जा की संभावना काफी अधिक आंकी गई है, जो कि लगभग 27000 मेगावाट है, परन्तु वर्तमान में लगभग 5000 मेगावाट का ही दोहन हो पाया है। राज्यगठन के समय यह उत्तराखण्ड विद्युत ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर था लेकिन जिस तरीके से पिछले 8–10 सालों में विकास और औद्योगीकरण ने गति पकड़ी, यह राज्य उत्पादन के क्षेत्र में कुछ पिछड़ गया है। वर्तमान समय में यूजेवीएनएल राज्य की लगभग 40% विद्युत ऊर्जा की आवश्यता को पूरा कर पा रहा है, शेष 60% राज्य के स्थापित अन्य परियोजनाओं एवं अन्य स्त्रोतों से खरीदनी पड़ रही है। जहाँ आज यूजेवीएनएल की औसत उत्पादन लागत लगभग 1.00 रूपये प्रति यूनिट है वही 60% आवश्यकता की पूर्ति के लिये राज्य को औसतन 5 रुपये प्रति यूनिट तक खर्च करना पड़ रहा है। विद्युत ऊर्जा का इतना बड़ा खजाना होते हुये भी यह राज्य उसका दोहन नहीं कर पा रहा है, ऐसा भी नहीं है कि यह राज्य इस खजाने का दोहन करने का प्रयास नहीं कर रहा है लेकिन कुछ बाहरी ताकतें इसको अंजाम तक पहुंचाने में रोड़ा डालने पर लगी हुई हैं। आज के समय में पश्चिमी देश भारत को तेल के रूप में एक बड़े बाजार के रूप में देखते हैं और वह नहीं चाहते कि यह विकासशील देश ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर हो अथवा यह उन सब पश्चिमी देशों के लिये खतरे की घण्टी होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आज के समय में कुछ पश्चिमी देशों से सहायता प्राप्त स्वयंभू पर्यावरणवादी, हाइड्रोपॉवर को लेकर अनाप सनाप तर्क रख रहे है और उनका प्रयास हाइड्रोपॉवर को झुठलाना है और देश को थर्मल

पॉवर की तरफ ले जाना है। कश्मीर जैसे राज्य के सीमांत लेह लद्दाख में आज भी हम पूरी तरह केवल और केवल तेल पर ही आश्रित है और जिसका सीधा फायदा पश्चिमी के देशों को है और तर्क भी देते हैं कि हाइड्रो पावर प्लांट बनने से तबाही आती है और कहीं न कहीं इन्हीं स्वयंभू लोगों ने केदारनाथ आपदा 2013 को भी इससे जोड़ने का प्रयास किया, जबकि उस समय केदारनाथ के पास कोई भी हाइड्रोपावर प्लांट नहीं था। विकास होना बहुत जरुरी है लेकिन उसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हम अब इस प्रकृति से खिलवाड़ करें और जहाँ तक हाइड्रो पॉवर प्लांट की बात है ये तो प्रकृति के काफी अनुकूल है और प्राकृतिक आपदा के प्रभावों को कम करते हैं। 2013 की आपदा में टिहरी बाँध का महत्वपूर्ण योगदान थ, यदि उस समय टिहरी हाइड्रो पॉवर प्लांट न होता तो आज ऋषिकेश और हरिद्वार विश्व के मानचित्र पर नहीं होते।

आज हम पानी का भण्डारण नही करेंगे तो कल पानी का उपभोग नही हो पायेगा। बरसात के समय पानी को इक्कठा करने के लिये डैम और बैराज बनाने ही होंगे ताकि उस जल के उपयोग के साथ साथ हम भविष्य मे होने वाली आपदा से भी बच सकें। आजकल के पर्यावरणवादी इस सच को अनमने ढंग से तो मानने लगे है लेकिन अब वो एक बिल्कुल अटपटा सा तर्क देते हैं कि हाइड्रो पावर प्लांट नदी को सुखा देते है और पानी की बर्बादी करते है। हाइड्रो पॉवर में पानी का उपयोग consume नहीं होता जितना पानी ऊर्जा उत्पादन हेतु उपयोग होता है उतना ही पानी वापिस नदी में चला जाता है। बाँध बैराजा में इसके साथ साथ पानी का भंडारण करके रखता है और समय समय पर सिंचाई और पीने के लिये भी पर्याप्त मात्रा में पानी भी उपलब्ध करवाता है। डैम के आस पास का वातावरण भी हरा भरा होता है जिसका सबसे अच्छा नमूना सलाल डैम है, जो कि झेलम और चिनाव नदी पर जम्मू कश्मीर में बना हुआ है जहाँ आज हरियाली ही हरियाली है और आस पास की जमीन उपजाऊ भी हुई है। अब कुछ लोग इसको धर्म से जोड़ने लगे है और अविरल धारा की बात करते हैं। अब एक बिल्कुल नया तर्क सामने आया कि यह हाइड्रोपॉवर नदी को गन्दा करते है और पानी की पूरा ऊर्जा खींच लेते है, जबकि यह विभिन्न रिर्पोटों में आ चुका है कि उत्तराखंड में पानी कितना शुद्ध है और जब यहाँ से बडे महानगरों में पहुँचता है, उसके बाद कितनी गन्दगी इस पानी मे गिरती है और इसको गन्दा करती है। आज उत्तराखण्ड राज्य में कई जलविद्युत परियोजनाऐं रूकी पड़ी है। हालांकि पुनर्वास जैसी कुछ समस्यायें भी है, परन्तु आज इस मुद्दे पर सबसे अधिक ध्यान दिया जा रहा है, साथ साथ परियोजना प्रभावित लोगों को उचित मुआवजा, नौकरियां, और प्रभावित इलाके के लोगों के विकास हेतु समुचित कार्यवाही की जा रही है। अन्य समस्याएं राष्ट्र हित को देखते हुये नगण्य है।

मेरा आप सब से निवेदन है आप सब राष्ट्र हित में इस हाइड्रो पावर के साथ खड़े हो और उन विकास विरोधी लोगों को अपने तर्को के साथ जरूर जबाब दे और उनको भी राष्ट्र के विकास के लिये प्रोत्साहित करें। यही आपकी इस देश के विकास के लिये नैतिक जिम्मेदारी है।

Achievements

Ms. VATSALA SHUKLA, daughter of **Mr. Dinesh Shukla,** GM (CD&H) secured first position in the state with 98.4% in class XII CBSE Board (Asian Public School)

Achievements

Ms. GAURI SHARMA, daughter of **Mrs. Deepshikha** (Accounts Officer) secured third rank in the state with an aggregate 98.2% in class X ICSE board examination (Brightland School).

Achievements

Mr. SANKALP MUKHERJEE S/O **Mr. Robin Mukherjee** EE(Civil), Lakhwar project,Dakpathar has secured 93% in class X in ICSE board 2017(St. Thomas College, Dehradun)

हमारा पर्यावरण

बलवीर लाल
प्रवर वर्ग सहायक,
कार्मिक विभाग, यमुना भवन,

भाई बहिनों सघर्ष, करे जो घोर।
पर्यावरण पर रखें, ज्यादा जोर।।

वृक्षारोपण अभियान, प्रत्येक शहर गाँव।
सब को मिलेगी वहाँ, पेडो की छाँव।।

पेड लगाये सब, गाँव शहर लाखों।
हरियाली होगी, वहाँ सुखा पाखों।।

गोरू भैंसो तै मिलेगा, भरपेट, घास।
जटी बुटी मिलेगी, जंगलों सें खास।।

दारू दवाईयों में जो आयेगी काम।
दुःख बिमारियों के लिऐ,रोक थाम।।

जगलों में कटान, हुआ जब से जारी।
भूकम्प के झटके, तब से आ रहे भारी।।

जंगलो से ना काटा, पेड जो फॉगा।
हरे भरे जंगल वहाँ होगे, जो नॉगा।।

पेड पौधों के कटान से, जंगल होगे सुखा।
गाय भैंस जंगली जनवर, रहेगे सब भुखा।।

गाडी मोटर का प्रचलन, जब से हुआ ज्यादा।
प्रदूषण का प्रकोप, होने लगा तब से आधा।।

प्रदूषण से जनमानस को, परेशानी भारी।
जिसके कारण, बीमारी पैदा हूई है सारी।।

मिट्टी, जलवायु, तापमान साथ प्रकाश।
मानव जीवन को, प्रभावित करते खास।।

वायु प्रकाश तापमान भौतिक घटक धूप।
एक दूसरे के प्रभाव से जो प्रभावित रूप।।

पर्यावरण की रक्षा करना, प्रत्येक का काम।
जिससे प्रदूषण पर लगेगी, जो रोक थाम।।

हम हैं यूजेवीएनएल वाले

योगेश्वर पंत
सहायक अभियन्ता
परियोजना जानपद अनुरक्षण,
गंगा वैली, इकाई–पथरी, हरिद्वार।

हम हैं रोशनी के दाता
ऊर्जा प्रदेश के स्वप्न हैं हम।
उज्जवल भविष्य गढ़ने को
यूजेवीएनएल बना है।1।

शक्ति के हम ही हैं सृजक
जल विद्युत के हम उत्पादक।
हम भविष्य हैं यहां के
राज्य की पहचान हैं हम।2।

शक्ति के हम हैं उपासक
शक्ति गृहों के हम संचालक।
रात–दिन श्रम–शक्ति से
हम बने विद्युत उत्पादक।3।

राज्य की जलशक्ति को
युवाशक्ति से जोड़ा है हमने।
व्यर्थ बहती धार से
नव ऊर्जा सृजित की है हमने।4।

हम जवानी और पानी को
दे रहे हैं नई रवानी।
आज विकास के पृष्ठ पर
हमने लिखी रौशन कहानी।5।

भागीरथी से गंगा तक
हमने सृजित कर शक्तिगृह।
गंगा की शक्ति से हमने
प्रदेश को रोशन किया है।6।

यमुना के संवेग से
संचलित विद्युत गृह हमारे।
नमामी गंगे नमामी यमुने
यह मंत्र सार्थक हमने किया है।7।

हम हैं उद्योगों की धड़कन
हम से है प्रदेश रोशन।
हम कमाऊ सपूत यहां के
ऊर्जा प्रदेश की जान हम।8।

आओ अपने काम से
हम नए कीर्तिमान रच दें।
विद्युत उत्पादक के
हम नए प्रतिमान गढ़ दें।9।

ऊर्जा प्रदेश के स्वप्न को
साकार हम सब मिल करेंगे।
यूजेवीएनएल को हम
प्रदेश में अग्रणी रखेंगे।10।

जिंदगी

संजीव कुमार सरकार
कार्यालय सहायक द्वितीय
किशाऊ परियोजना डाकपत्थर, जिला देहरादून

जिंदगी उसकी इनायत है संभालो इसको
अब तआस्सुक के अंधेरों से निकालो इसको

ये न रंजिश के लिये है न अदावत के लिये
ये न नफरत के लिये है न बगावत के लिये
जिंदगी उसने अता की है मौहब्बत के लिये

उलझने पाल के मत जिंदगी दुश्वार करो
खूबसूरत है बहुत खूब इसे प्यार करो

जान लेना नहीं जान देने का सलीका सीखो
लूटना नहीं लुटाने का सलीका सीखो

जंग की गर्म हवाओं से बचाओ इसको
ये तो जन्नत है जहन्नुम ना बनाओ इसको

सुबह को खिलते गुलाबो से सजाओ इसको
रात को रात की वादी से मिलाओ इसको

जिंदगी उसकी इनायत है संभालो इसको .....
जिंदगी उसकी इनायत है संभालो इसको .....

Health Checkup Camp at Ganaga Bhawa 10th August 2017

A free Heath Checkup Camp was organised at Library Hall, Ganga Bhawan, Dehradun by Kanishka Surgical and Super Speciality Hospital on 10th August, 2017. It included free OPD consultancy, ECG checkup, BMD test and HB/Sugar checkup. Various Officers along with their dependants participated in the camp.

यूजेवीएन लि० द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों/संस्थानों की सूची

क्र0 सं0	चिकित्सालय का नाम व पता	मान्यता अवधि		दूरभाष सं0
		से	तक	
1	उत्तराखंड के भोगोलिक क्षेत्र के अर्न्तगत समस्त सरकारी अस्पताल	स्थाई रूप से		
2	क्रिश्चियन हास्पिटल, हरबर्टपुर, डाकपत्थर (देहरादून)	स्थाई रूप से		
3	राम कृष्ण मिशन हास्पिटल, हरिद्वार	स्थाई रूप से		
4	भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लि0 सैन्ट्रल हास्पिटल रानीपुर, हरिद्वार	स्थाई रूप से		
5	हिमालयन इन्स्टीटयूट हास्पिटल टस्ट, जोलीग्रान्ट, देहरादून	स्थाई रूप से		0135–2412081, 82, 83, 84, 85, 86
6	श्रीमती सुशीला तिवारी स्मृति वन चिकित्सालय, हलद्वानी (अब राजकीय चिकित्सालय)	स्थाई रूप से		
7	सीतापुर नेत्र चिकित्सालय – शाखा–अलमोड़ा, रानीखेत, नैनीताल, काशीपुर, हलद्वानी, पिथोरागढ, गोपेश्वर (चमोली), श्रीनगर, कोटद्वार, पौडी **(एकल विशिष्टता)**	स्थाई रूप से		
8	श्री महन्त इन्द्रेश अस्पताल, पटेल नगर, देहरादून	स्थाई रूप से		0135–2522100, 2522200, 6672400, 562, 609
9	अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, ऋषिकेश	स्थाई रूप से		
10	डा0 आहुजा पैथोलोजी इमेजिंग सैन्टर, 7–बी एस्ले हॉल, देहरादून (समस्त उपलब्ध परिक्षणों हेतु)	अग्रिम आदेशों तक		0135–2659700, 2657900
11	नवज्योति आई हास्पिटल एण्ड देहरादून वैव लैसिक सैन्टर, नेहरू कालोनी, हरिद्वार रोड़, निकट भारतीय जीवन बीमा निगम, देहरादून **(एकल विशिष्टता)***	01.08.2014	31.07.2016	0135–2672302, 2669254, 3272525
12	वैश्य नर्सिग होम, 42– सेवक आश्रम रोड़ देहरादून*	01.09.2014	31.08.2016	0135–2749267, 2747083
13	जीवन रेखा हास्पिटल, कछनल गाजी, मानपुर रोड़, काषीपुर (उधमसिंह नगर) *	01.10.2014	30.09.2016	05947–261201, 202, 203, 204
14	अर्चना हास्पिटल, 123ए– महेन्द्र विहार, सुरभि होटल के पीछे, देहरादून*	01.04.2015	31.03.2017	0135–2622713, 2622775
15	कम्बाइन्ड मेडिकल इन्स्टीटयूट (सी0एम0आई0), 54– हरिद्वार रोड़, देहरादून*	01.04.2015	31.03.2017	0135–2720238 272411,2720411
16	नीलकंठ नेत्रालय, 259–विवेक विहार, आवास विकास, रानीपुर मोड़, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)#**	01.07.2015	30.06.2017	9411373131, 9412379292
17	पाटिल डेन्टल क्लीनिक एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, 206–बल्लुपुर रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)***	01.07.2015	30.06.2017	0135–2755796
18	भारत हार्ट इन्स्टीटयूट, सुपर स्पेशियलिटी हार्ट केयर हास्पिटल, 55–ई0सी0 रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता) #**	01.07.2015	30.06.2017	0135–2650580, 2104444
19	धनवन्तरी अस्पताल डाकपत्थर रोड़, विकासनगर (देहरादून)*	01.07.2015	30.06.2017	01360–251625

20	निर्मल आश्रम अस्पताल, मायाकुण्ड, ऋषिकेश*	01.07.2015	30.06.2017	0135–2430942, 2439551, 52, 53, 54
21	दृष्टि आई सैन्टर, 9–बी, एस्ले हाल, देहरादून **(एकल विशिष्टता)#**	01.08.2015	31.07.2017	0135–2717500, 2655354, 2656364
22	ओर्थोकेयर डेन्टल स्पेशियलिटी सैन्टर, शिवकृपा काम्प्लैक्स, एम0डी0डी0ए0 कालोनी के सामने, जी0एम0एस0 रोड़, देहरादून* **(एकल विशिष्टता)**	01.08.2015	31.07.2017	0135–2620438
23	मैट्रो हास्पिटल एण्ड हार्ट इन्स्टीटयूट़, प्लॉट नं0 एफ–1, सैक्टर–6 ए, सिडकुल, हरिद्वार #	01.10.2015	30.09.2017	01334–239040, 42, 43
24	अमृतसर आई क्लीनिक, 122/1, ई0सी0 रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2016	31.12.2017	0135–2650585, 2652585, 2651585
25	चामुण्डा सर्जिकल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सैन्टर, काशीपुर (उधमसिंह नगर)	01.01.2016	31.12.2017	05947–272255, 261111, 261122
26	सिटी अस्पताल, सुपर काम्प्लैक्स, रानीपुर मोड़, हरिद्वार	01.07.2015	31.12.2017	01334–220012, 220023
27	आस्था अस्पताल (अग्रवाल क्लीनिक) 2/1– बल्लुपुर चौक, देहरादून	01.10.2015	31.12.2017	0135–2764413, 2761023
28	डा0 मुकेश ढाण्डा, दन्त चिकित्सक, 16–ए, न्यू रोड़, निकट उत्तरांचल ग्रामीण बैंक मुख्यालय, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2016	31.12.2017	0135–2624448, 2710446
29	कनिष्क सर्जिकल एण्ड सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, रिस्पना पुल एवं रेलवे क्रासिंग के मध्य, मुख्य हरिद्वार बाई पास रोड़, देहरादून	01.08.2015	31.12.2017	0135–2670040
30	शर्मा डेन्टल केयर ओर्थो एण्ड ट्रामा सैन्टर, 105/65 ई0सी0 रोड़, निकट पुलिस चौकी, आराघर, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2016	31.12.2017	0135–2714652
31	एस0आर0डी डेन्टल क्लीनिक एण्ड ओरोफेसियल सर्जिकल सैन्टर, आई0एम0ए0 ब्लड बैंक के सामने 60–हेमकुज कालोनी, विजय पार्क, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.01.2017	31.12.2017	0135–2531514
32	संजीवनी डेन्टल क्लीनिक एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर प्रेम प्लाजा, स्टेट बैंक आफ इंडिया के सामने, मेन रोड, विकासनगर (देहरादून) **(एकल विशिष्टता)**	01.04.2016	31.03.2018	9536005002
33	कालिन्दी हास्पिटल एण्ड रिसर्च इन्स्टीटयूट़, जीवन गढ़ लाईन, चकरौता रोड़, विकासनगर (देहरादून)	01.04.2016	31.03.2018	01360–222941, 42, 43
34	ब्रजलाल हास्पिटल एण्ड रिसर्च सैन्टर प्रा0 लि0, आनन्दी टावर, नैनीताल रोड़, हलद्वानी	01.04.2016	31.03.2018	05946–284816
35	स्वास्तिक अस्पताल, लोहियाहैड रोड़, खटीमा (उधमसिंह नगर)	01.04.2016	31.03.2018	05943–253000
36	गर्ग डेन्टल क्लीनिक, अम्बा काम्प्लैक्स, 112–सैयद मोहल्ला, चकरोता रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.05.2016	30.04.2018	0135–2531188
37	फोर्टिस एस्कोर्ट हास्पिटल, द्वितीय तल, कोरनेशन हास्पिटल, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.05.2016	30.04.2018	0135–3980201
38	मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हास्पिटल, मालसी, मसूरी डायवर्जन रोड़, देहरादून	01.05.2016	30.04.2018	0135–6673000

39	सिनर्जी इन्स्टीटयूट आफ मेडिकल साईंसेज, बल्लुपुर, कैनाल रोड़, देहरादून	01.05.2016	30.04.2018	0135–2226000, 2226100
	यूजेवीएन लि. के आदेश सं0 3347 दिनांक 27.05.2017 के द्वारा चिकित्सालय को कैश लैस (क्रेडिट सुविधा) हेतु (चिकित्सालय की मान्यता अवधि हेतु) भी केवल चिकित्सालय में भर्ती हो कर कराये गये उन रोगों, जिनका उल्लेख सम्बन्धित आयकर अधिकारी द्वारा चिकित्सालय को निर्गत किये गये आयकर विमुक्तिकरण प्रमाण। पत्र में हैं, के उपचार हेतु ही मान्यता प्रदान कर दी गई हैं।			
40	बंसल डेन्टल एण्ड ओर्थोडोन्टिक केयर 375–विवेक विहार कालोनी, निकट चंद्राचार्य चौक, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)**	01.06.2016	31.05.2018	9219408267
41	दक्ष बालाजी ओर्थो हास्पिटल, गुरूबक्श विहार, लक्सर रोड़, कनखल, हरिद्वार **(एकल विशिष्टता)**	01.07.2016	30.06.2018	01334–212038
42	थापर स्पेशियलिटी डेन्टल केयर निकट आई0एम0ए0 ब्लड बैंक, 41/1, बल्लूपुर रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.09.2016	31.08.2018	0135–2755358
43	दून नर्सिंग होम, 61/1– हरिद्वार रोड़, देहरादून	01.09.2016	31.08.2018	0135–2622481, 2720754
44	कृष्णा सर्जिकल सैन्टर, सैयद रोड़, विकासनगर (देहरादून)	01.11.2016	31.10.2018	01360–250049
45	डा रोहिला स्पेशियलिटी डेन्टल एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, बी–3, ओजस्वी काम्प्लैक्स, जी0एम0एस0 रोड़, बल्लुपुर चौक, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.11.2016	31.10.2018	0135–6540942
46	बियोन्ड स्माईल डेन्टल केयर एण्ड इम्प्लान्ट सैन्टर, डी–34, रेसकोर्स, पुलिस लाईन के सामने, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.11.2016	31.10.2018	0135–2721537
47	भण्डारी हास्पिटल, कैनाल रोड़, गुरूद्वारा वाली गली के सामने, विकासनगर (देहरादून)	01.11.2016	31.10.2018	01360–250077, 250177
48	डा0 चौहान हास्पिटल, मेन रोड़, विकासनगर (देहरादून)	01.11.2016	31.10.2018	01360–251781
49	डा0 अश्विन गर्ग, गर्ग ई0एन0टी0 एण्ड डेन्टल क्लीनिक, किशन नगर चौक, चकरोता रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.03.2017	28.02.2019	0135–2531188
50	डा0 डी0एम0 काला, काला ई0एन0टी0 सैन्टर, 5–न्यू रोड़, देहरादून **(एकल विशिष्टता)**	01.03.2017	28.02.2019	0135–2654350, 2657227
51	डा0 अश्विन डोभाल, दंत चिकित्सक **(एकल विशिष्टता)** 41–टैगोर विला, मेन चकरोता रोड़, देहरादून 5–लिटन/सुभाष रोड, उत्तराखंड सचिवालय के सामने, देहरादून	01.06.2017	31.05.2019	0135–2715343 0135–2713363
52	मेदान्ता – दी मेडिसिटी, सैक्टर–38, गुड़गांव (हरियाणा)	01.06.2017	31.05.2019	0124–4141414
यूजेवीएन लि. के आदेश सं0 3346 दिनांक 27 .05.2017 के द्वारा चिकित्सालय को सामान्य रूप से कराये जाने वाले उपचारों के साथ साथ कैशलैस (क्रेडिट सुविधा) हेतु भी केवल चिकित्सालय में भर्ती हो कर कराये गये उन रोगों, जिनका उल्लेख सम्बन्धित आयकर अधिकारी द्वारा चिकित्सालय को निर्गत किये गये आयकर विमुक्तिकरण प्रमाण पत्र में हैं, के उपचार हेतु ही मान्यता प्रदान कर दी गई हैं।				

* मान्यता विस्तारण प्रक्रियाधीन #विस्तारण हेतु पत्र लिख दिया गया हैं

पंचेश्वर परियोजना से उत्तराखंड में उभरेगा पर्यावरण पर्यटन का नया रूप

बांध प्रोजेक्ट

नई दिल्ली | राजकीय ब्यूरो

भारत और नेपाल के बीच बनने वाली बहुउद्देशीय पंचेश्वर बांध परियोजना देश की प्रमुख पर्यावरण पर्यटन परियोजना होगी। देश के साथ उत्तराखंड के लिए यह परियोजना बेहद उपयोगी होगी।

इससे इस नए पड़ाही राज्य को बिजली, पानी और रोजगार के साथ बड़ी संख्या में देसी और विदेशी पर्यटक भी मिलेंगे। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है और जल्द ही केंद्रीय के

विशेषज्ञों की टीम इसका अध्ययन कर रही है। पंचेश्वर परियोजना में बिजली, सिंचाई के लिए पानी व बाढ़ नियंत्रण के लाभों के साथ पर्यावरण पर्यटन का एक अहम बिंदु जोड़ा गया है। इसके लिए बांध क्षेत्र में पंद्रह हेक्टेयर जमीन पर पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके अलावा इसमें एक हेक्टेयर में पर्यटक बंगला और इको रिसार्ट बनाए जाएंगे और एक हेक्टेयर में अन्य पर्यटक सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे। जल संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि यह देश का सबसे ज्यादा खूबसूरत और आकर्षक पर्यावरण

साढ़े चार हजार करोड़ का सालाना लाभ होगा

इस परियोजना की कुल लागत 33108 करोड़ रुपये है, जिसका 62.3 फीसदी हिस्सा भारत और बाकी नेपाल वहन करेगा। इससे 5050 मेगावाट बिजली भी पैदा होगी और 4.3 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाएं हासिल होंगी। भारत में करीब 2.6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा मिलेगी। परियोजना पूरी होने पर 4592 करोड़ बिजली 90 क

उत्तराखंड को बिजली और सिंचाई के साथ

इस परियोजना से उत्तराखंड र बीच बंटने वाले लाभों में भारत मिलियन यूनिट बिजली मिलेगी लोगों को रोजगार मिलेगा। सि लेगा। इस प भारत में और

डीपीआर का अध्ययन कर रही है 26 सदस्यीय टीम

दो दशक पहले महाकाली जल संधि के जरिए भारत और नेपाल ने शारदा नदी पर पंचेश्वर बांध परियोजना पर काम शुरू किया था। लेकिन, इसके काम में तेजी पिछले

शक्ति नहर के उत्कृष्ट सिविल कार्यों पर यूजेवीएन पुरस्कृत

देहरादून। भारत के नौ राज्यों द्वारा ड्रिप परियोजनाओं के अन्तर्गत कराये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा हेतु दिल्ली में केन्द्रीय जल आयोग एवं विश्व बैंक द्वारा 17वीं तकनीकी समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में यूजेवीएन लिमिटेड द्वारा अभी कुछ समय पूर्व देहरादून जनपद में यमुना घाटी में स्थित आसन बैराज के अन्तर्गत बैराज एवं शक्ति नहर में सम्पादित कराये गये विभिन्न सिविल कार्यों की समीक्षा भी की गई। उक्त कार्यों की गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के साथ साथ सम्पूर्ण परियोजना के कुशल प्रबन्धन को देखते हुए विश्व बैंक एवं ड्रिप-केन्द्रीय जल आयोग, भारत सरकार द्वारा यूजेवीएन लिमिटेड को पुरस्कृत किया गया। यूजेवीएन लिमिटेड की ओर से

पथरी व मोहम्मदपुर से जून में रिकार्ड बिजली उत्पादन

जागरण संवाददाता, देहरादून: उत्तराखंड ऊर्जा निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) की 20.4 मेगावाट की पथरी परियोजना से मेगावाट) और मोहम्मदपुर (9.3 मेगावा से जून में अब तक का रिकार्ड उत्पाद परियोजना हरिद्वार में अपर गंगा कैनाल

प्रबंध निदेशक एसएन वर्मा ने बता जून 2017 में 13.19 मिलियन यूनिट जबकि पिछले वर्ष जून में यहां से 1 यूनिट बिजली मिली थी। मोहम्मदपु 5.22 मिलियन यूनिट बिजली मिली। 2016 में मोहम्मदपुर से 5.09 मिलिय का उत्पादन हुआ था। उन्होंने बताया कि मशीनों के बेहतर संचालन, रखरखाव उत्कृष्ट कार्य से रिकार्ड उत्पादन संभ **एक्जीक्यूटिव एमबीए के** यूजेवीएनएल कार्मिकों को एक्जी कोर्स कराने के लिए आइआइएम

यूजेवीएन में लागू होगा ईआरपी सिस्टम

सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

यूजेवीएन एवं मैसर्स असेंचर्स सोल्यूशंस कंपनी के मध्य यूजेवीएन में ईआरपी (इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) सिस्टम के क्रियान्वयन हेतु अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किये गये।

इस मौके पर निगम के प्रबंध निदेशक एसएन वर्मा ने बताया कि ईआरपी सिस्टम लागू होने से निगम के कार्यों में पारदर्शिता, सामंजस्य, पूर्वानुमान एवं

सॉफ्टवेयर होता है, जिसके द्वारा किसी संगठन की विभिन्न गतिविधियां एवं जानकारियां एक ही जगह पर

निगम और असेंचर्स सोल्यूशंस के बीच हुआ करार

कम्प्यूटर डाटाबेस आधारित इस सॉफ्टवेयर से निगम आयेगी पारदर्शिता : व

कार्यप्रणाली की दिशा में आगे बढ़ेगा तथा निगम मानव संसाधन, वित्त, परिचालन, परियोजनाओं कार्यों का सुगमता एवं कुशलता से संचालन किया सकेगा। यूजेवीएन ईआरपी लागू करने वाला प्र का संभवतः पहला निगम होगा।

अनुबंध पत्र हस्ताक्षर होने के अवसर

यूजेवीएनएल में होगा पेपरलेस वर्क

देहरादून (ब्यूरो)। उत्तराखंड जल विद्युत निगम लिमिटेड (यूजेवीएनएल) में इंटरप्राइजेज रिसोर्स प्लानिंग (आईआरपी) सिस्टम के लिए मैसर्स असेंचर्स सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड से एग्रीमेंट हुआ है। इस सिस्टम से निगम में विभिन्न सूचनाओं और जानकारियों को आदान-प्रदान करने के लगभग सभी कार्य पेपरलेस हो जाएंगे। निगम के देहरादून स्थित मुख्यालय 'उज्जवल भवन' समेत प्रदेश भर के दफ्तरों में 15 माह के भी यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी। यूजेवीएनएल के प्रबंध निदेशक एसएन वर्मा ने बताया कि इस सिस्टम के लाग होने से निगम का डाटा आधारित

मनेरी भाली व पथरी में रिकार्ड बिजली उत्पा

देहरादून। यूजेवीएन द्वारा विद्युतगृहों की मशीनों के बेहतर संचालन से वर्ष 2017-18 के प्रथम माह में रिकार्ड विद्युत उत्पादन किया गया। निगम के प्रबंध वर्मा ने बताया कि अप्रैल माह में

मोहम्मदपुर तथा पथरी विद्युतगृहों द्वारा अप्रै निर्धारित लक्ष्य से अधिक उत्पादन कि

अपर सचिव पदों की डीपीसी 11 को

मंत्रिमंडल संवर्ग के अप सचिव पदों पर डीपीसी के लि

UJVNL achieves record power generation in first month of new financial year

NS DEHRADUN

In a significant step towards meeting its own power requirement and subsequent

achieved 347.439 million unit power generation against set target of 314.983 million unit. UJVNL has achieved 32.456

यूजेवीएनएल का 'इनर इंजीनियरिंग व माइण्ड बैलेंस' कार्यक्रम संपन्न

देहरादून। उत्तराखंड जलविद्युत निगम लि. (यूजेवीएनएल) के मुख्यालय के प्रशिक्षण सभागार में निगम के कार्मिको के लिए विगत मंगलवार से शुरू किये गये इनर इंजीनियरिंग एण्ड माइण्ड बैलेंस बुहस्पतिवार को संपन्न हो गया। योगमानव ट्रस्ट, चम्बा (हिमाचल प्रदेश) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक एस.के. डुडेजा द्वारा निगम के कार्मिकों का शरीर, स्वास्थ्य व ध्यान जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया। साथ ही कार्मिकों को अन्तः निर्माण साधक पद्धति से गुजर कर अपने आत्मिक स्वरूप को पहचानने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन पर यूजेवीएन लिमिटेड के परियोजना निदेशक संदीप सिंघल ने कहा कि आज की तनावपूर्ण एवं भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए इस कार्यक्रम में सीखी गई विधा से कार्मिक अवश्य लाभान्वित होंगे। निगम के मानव संसाधन निदेशक डा. अविनाश चन्द्र जोशी ने कहा कि कार्मिकों के चहुंमुखी विकास के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर उपमहाप्रबन्धक राजेन्द्र सिंह सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

GENERATION DATA (MU)

Month	Details	Chibro	Khodri	Dhakrani	Dhalipur	Kulhal	Tiloth	MB-II	Chilla	Ramganga	Khatima	Pathri
	Capacity (MW)	240	120	33.75	51	30	90	304	144	198	41.4	20.4
Apr-17	Target	63.00	30.00	6.00	8.00	6.00	36.00	78.00	57.00	8.00	11.00	7.88
	Actual	60.25	28.29	1.66	1.90	1.34	33.97	89.78	65.64	32.08	16.25	11.32
May-17	Target	81.00	38.00	13.00	10.00	14.00	38.00	152.00	45.00	36.00	14.00	11.37
	Actual	60.32	28.00	10.48	15.79	10.87	41.84	150.76	69.11	15.34	20.55	13.68
Jun-17	Target	87.00	40.00	15.00	12.00	14.00	37.00	206.00	57.00	18.00	30.00	11.27
	Actual	77.22	35.00	13.69	18.16	12.05	41.03	190.97	84.19	0.00	21.08	13.19
Jul-17	Target	114.00	51.00	18.00	28.00	18.00	39.00	187.00	82.00	25.00	30.00	12.17
	Actual	121.61	52.02	18.73	24.10	12.41	12.45	165.97	87.20	0.00	20.70	12.38
TOTAL	Target upto (31-07-2017)	345.00	159.00	52.00	58.00	52.00	150.00	623.00	241.00	87.00	85.00	42.68
	Actual upto (31-07-2017)	319.39	143.30	44.57	59.94	36.67	129.30	597.48	306.13	47.42	78.59	50.57

GENERATION CHART FOR THE PERIOD APRIL-JULY 2017

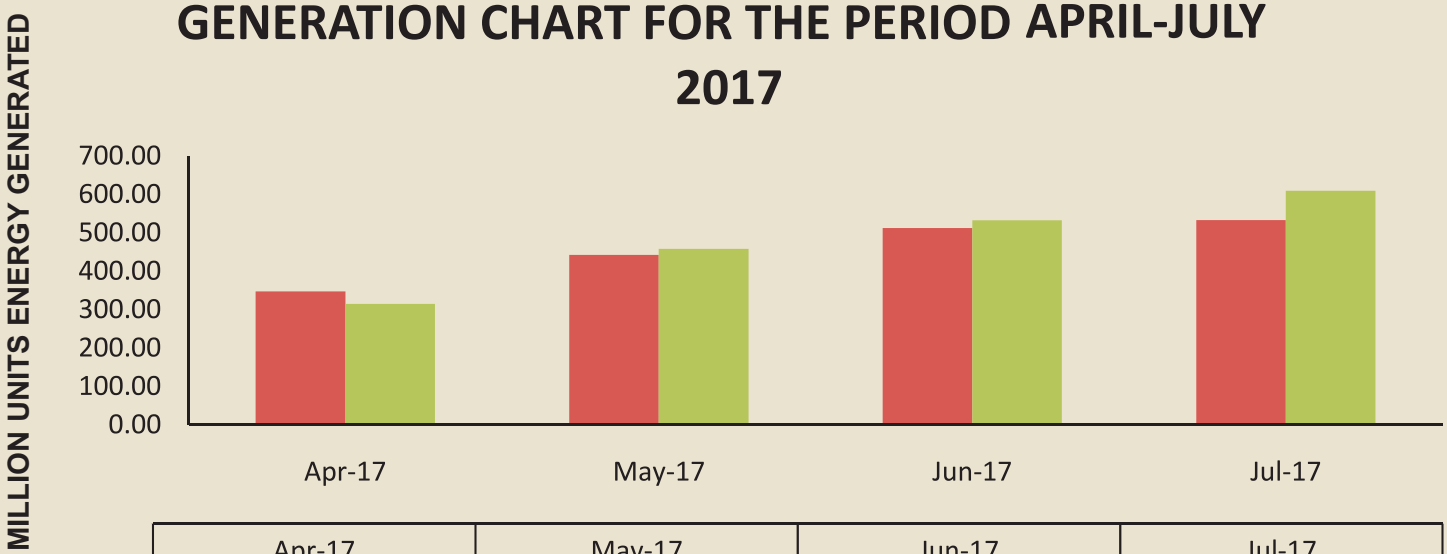

	Apr-17	May-17	Jun-17	Jul-17
ACTUAL	347.44	442.34	512.14	532.74
TARGET	314.98	457.79	532.13	609.06

TARGETS ACHIEVED

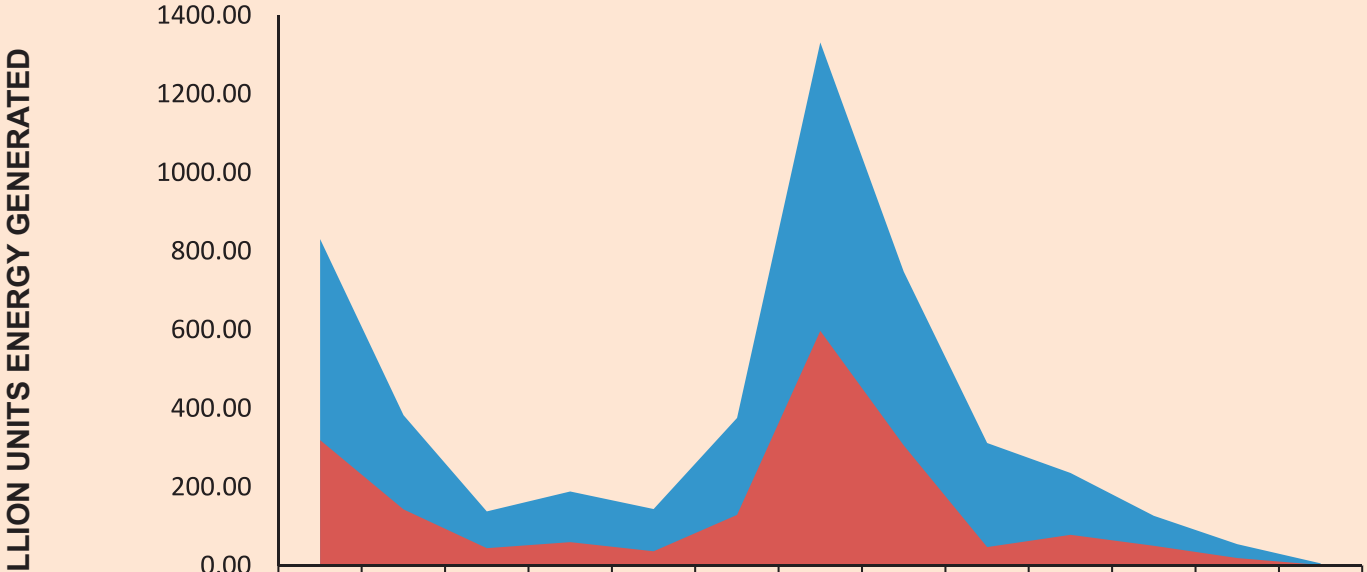

	Chibro	Khodri	Dhakrani	Dhalipur	Kulhal	Tiloth	MB-II	Chilla	Ram ganga	Khatima	Pathri	M.Pur	Galogi
TARGET FY 2017-18	831.0	383.0	138.0	189.0	144.0	376.0	1331.	748.0	312.0	236.0	127.1	54.73	6.15
ACHIEVED (31-07-2017)	319.3	143.3	44.57	59.94	36.67	129.3	597.4	306.1	47.42	78.59	50.57	19.62	1.68

PLANT WISE GENERATION

	Chibro	Khodri	Dhakrani	Dhalipur	Kulhal	Tiloth	MB-II	Chilla	Ram ganga	Khatima	Pathri	M.Pur	Galogi
TARGET (31-07-2017)	345.0	159.0	52.00	58.00	52.00	150.0	623.0	241.0	87.00	85.00	42.68	17.53	1.75
ACTUAL (31-07-2017)	319.3	143.3	44.57	59.94	36.67	129.3	597.4	306.1	47.42	78.59	50.57	19.62	1.68

मुख्य सम्पादक – श्रीमती रमा शर्मा बहुगुणा, महाप्रबन्धक (का0 एवं औ0सं0)
सम्पादक – श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, महाप्रबन्धक (गंगा वैली)
श्री राजेन्द्र सिंह, उपमहाप्रबन्धक (मा0सं0)
सह सम्पादक – श्री राजेश चन्द्र मैखुरी, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
श्री विमल डबराल, जनसम्पर्क अधिकारी,
श्री एस. एन. शर्मा, कार्या0 अधीक्षक
सम्पादकीय सहयोग – श्री राजेश यादव, अवर वर्ग सहायक (मा0सं0),
श्री केशव उनियाल, कार्यालय सहायक–II (मा0सं0)

UJVNL

यूजेवीएन लिमिटेड,
''उज्जवल'' महारानी बाग, जीएमएस रोड,
देहरादून-248006
www.ujvnl.com

Bedni Bugyal, Chamoli

Front & Back Cover Photo Provided by:
Dr. A.C. Joshi, Director HR

Photo graph of Vyasi Project under construction

इस न्यूज लैटर में प्रकाशित लेख, सूचनाएं एवं विचार लेखकों के व्यक्तिगत हैं अथवा विभिन्न स्रोतों से लिए गये हैं। किसी भी प्रकार की विसंगति एवं त्रुटि हेतु सम्पादक मण्डल अथवा यूजेवीएन लिमिटेड जिम्मेदार नहीं है। न्यूज लैटर में वर्णित उपलब्धियाँ केवल सामान्य जानकारी के लिए हैं, कृपया अधिकारिक जानकारी के लिए सम्बन्धित आदेश/सर्कुलर का सन्दर्भ ग्रहण करें।

आगामी अंक में प्रकाशन हेतु आपके सुझाव, लेख, रचनाएं, उपलब्धियां आदि सहर्ष आमंत्रित है –सम्पादक मण्डल